



[illegible][illegible]

स गम्यनं म० ॥ ॐ गान्धीय नमः ॥ ॐ वरु कं थय नमः ॥ ॐ क
क या द० ॥ ॐ आ गम नि गान नमः ॥ ॐ ह न क रू ना वा य व नमः ॥ ॐ
ति पु ना न क रू न वा य । मा रु ष्व त्रि न म० ॥ ॐ अग्नि ष्व त्रि न
रू न वा य का मा त्रि नमः ॥ ॐ अग्नि त्रि क रू ना य वि षु वि न
म० ॥ ॐ नू ना य रू न वा ना नि नमः ॥ ॐ के रू न वा य रू मा नि
नमः ॥ ॐ न क या द रू न वा य नमः । वा म न्द्रो य नमः ॥ ॐ हि
म न्द्रा य रू न वा य । मा रु न श्ची नमः ॥ ॐ गू न्द्र म न्द्र न व वि

द शानं वि य रू न ॥ ॐ तु र्क व स्वा थ रू न्द्र म न्द्र न स प व न जा
पू र्व न ॥ ॐ ति का न न न । ॐ नम जू रू का य नमः ॥ ॐ व शी धाय
नमः ॥ ॐ मा न्द्रा य नमः ॥ ॐ या ॐ य नमः ॥ ॐ ना क ष्व ना यु नमः ॥
स व सा धू न त्थ रू नमः ॥ ॐ रु ग रू स ॥ ॐ कू ना रू ग रू त ॥ ॐ कू
ना क या ल्प रू स त्थ ॥ ॐ कू द व न त्थ स त्थ ॥ ॐ क थ वि क्रा मि
स्वा हा ॥ ॐ न्द्र द म त्रि नमः वि जी । वा न रू ति का वा ना न न न वा
न प रू य त ॥ ॐ शू धू ग शि ध स्वा न वृ रू न । ग रू ॐ कू रू व ॥

कवुमान ॥ वृत्तेन न राखनन विज्ञा ॥ गङ्गेन धन ॥ धृक्
 बुधनास ॥ विज्ञय वाथ नाथ राय ॥ पिय स्यष्ट समागमथ का ॥
 नसि दिवकर्मव ॥ धृक् स्य गहन विदी ॥ धृङ्गेन दिस पूर्व
 दिव सयदि यहन वमि ॥ ना गङ्गा न धृक् ॥ वा न गङ्गा न रेवया
 न ध्याया नासर्न कयन ॥ दवता गिव ॥ उकुमा न गवनि ॥
 इक्क रूति नि वा गुरु नि नाग ॥ ॥ पृथ्वी गि डूडू खन याद
 रूति नि युजा व नि याद ॥ धन कोडू ॥ खान गुरु दि ॥ ॥ ॥

धुन याव पूजा ॥ दुदु स साठ प्रगा कादु । सान रेक रे धुवा
वा शु कि पूजा ॥ ४ ॥ सेत स्वात । शि भूदु दुध नी धे न क सी के य
ति नि साध व । धु न शि व का स वं रा थो वि थी स न व नि पूजा
का मा नि पूजा । रा नि स बा न पात । वि ता या या पात । धु न रु द
याग ॥ दु कि ध या रु न क स । वा न के । पु स ना य पूजा । दि स र्व वि नि
नि न ॥ दुदु याग कादु । सान रे धु न नो य पूजा ॥ वि स र्व दि न रे धु
न भू रू य पूजा ॥ उ रू न के य न । वि धू च । वि वा व । क व हि धू व स ठ

आ गवा. वरुं. मस्य गरु भविदु ॥ धूमं नदिस. पूर्व दिवस. दिनि
यादसमि ४। वि तडा जनं त जा ४ त ति शु ल क न न स न ४ रु ति
नि स पूजा. स्वान गुन शु डि १ कि य हि १ दू दू आ न य ति १ थु त
रु नि यु डा ॥ ७१ गत कि कु ठ ड १ ३ ३ ७५ ७ १ ॥ निर्व थ स. वि य
मा त. मा स न चा या व वि य. ता थि स यु ड रे क रे दू दू व स न य या
क वि थं ड. का न स्वा न रे रे दू दू या त १ वे न या त १ थु त वि धान ख
यु ड वा य ड १ ॥ वि थि स न वे द ॥ सा का न यु डा. शु ना स यु ड

१२३ वि स मा द न ११ थु त डिं थ या न कु न ॥ ० ॥ नि रा सि मा
न. के न हं वि ४ वा द ३ वा द वा ध वं श ह या रि. का क ना स न ४
हा नि च स्वान सा उ भा व वि नु. दि न नि न ॥ दि व ७ व यु थु डा
द डि ॥ आ दि त गरु ॥ भा क ० शु न. जु दि सा न. द यु न गत पि न
डा न ॥ थु त या सा की. या म यु ड ॥ के ॥ दू दू य ना य ड १ स्वान या त १
थु त या ख स यु ड वि य ॥ शु ति नि व नि द द्या ति ॥ सा त नि नू य न म
स. रु नि मा त य डा य. स्वान य नि ३ न व त ३ दा ड ३ थु त स्वान सि

सिंधन धूके धनिरुन के खा क्री समम । डामून सवूनि धूत हा
थमाहा कोन ॥ शानि निसखा न पाह ॥ कामात्रि पूजा ॥ वूस यूडव
न प ॥ स्नान ॥ के ॥ इडु खा न पाह ॥ धूत वू नयां थेदिस ॥ नसल
खन ० ॥ करुह स्यति ॥ दिसा पचि म ॥ दिवस यं कु मि वि द
था द शि ॥ शम को सखा स ॥ शनि म म । हार्व य श्रु म । शन
न ४ ॥ ति । सय स हिन न । पं व न न न सना स ॥ दू धू क वि
न । यि थ डन श शन ता थ ॥ शानि सखा न पाह व ड

दमरा यक ॥ दहि मातमा स नान । कू स न धू न कू
सन धूत न शानि स न थ ॥ ४ ॥ यि थि सखा न पाह ले ना डा
धू मातमा सन कू स यना प सडुन ता थ ॥ धूत यि थि स ।
म सान स ना थ ॥ ॥ विनाय क पू जा ॥ वूस यूड ॥ के ॥ इडु
य ना य । कामात्रि पूजा । धूत वृष या न कुन ॥ ॥ ना के ४ वि वि त
य स क्ष न । ग न न रो थ ना ॥ कु क्ष रु य इ थ वा दि खन सा ग ह
न वि न्दु । दिस वा सयू कु ॥ दिव श स ड मि रू डु द सि ॥

नामवातआन, युक् षु नष्टदन षुन ॥ धृतं सा नि मास
होमयिधिस, डिदि झवयाता, युधि सा विकृतिर्ध
(मम) कोनकु कयासविदि, यार्कि ॥ वग डि विरु व हयि
कु नि कुन स ॥ विरु न को सताथ ॥ धृतं रुद झु ययानं
सजरु यु कु न थं इत, खा झं ॥ दा पु दात दे मुम मास
नयाय, नाडा न दाय ॥ यि कु नि कुन सताथ ॥ इति सता

युजा ॥ स्वान ॥ क ॥ इदु दात दे ॥ धृतं ना म पुजा ॥ या
रवस युजा ॥ स्वान ॥ क ॥ ये नाय, धृतं या म या पुजा ॥ इदु क
ध नि रु न क, गही माता, वि वय ॥ दे गु नि र्क, ये न्या माथ
॥ रु ति नि स पुजा दे के ॥ इदु वा न या त दि ॥ धृतं खन
यान कुन ॥ ० ॥ इति यु न न रु कु मा बा के यु मि का ॥ धृतं रा ग्य
का स स पा पु म रु स, गहन वि न्दु ॥ दि व स ग क मि, प्रा ग

हृदय शुभ । ज्ञान शुभ । विद विविह । अतिर्नू ज्ञान दाय ॥
धृत सा की । हनु मेन कृष्ण ॥ विधि सुकृ कन पूजा । नमू सहा
उसि पूजा ॥ खस पूजा ऐ क ऐ इ इ य ता य । सु स पूजा । वानि
स खान । पूजा स कि इ इ इ धु नू शू स पूजा खान ऐ क ऐ इ
इ खान या न । धु न नाय पूजा । गन स पूजा । यि थ ड ली थ कि
कि या । कामा नि पूजा ॥ रु ति नि ध नी डा ॥ विस ख १ धु न ग

जा या न कृ न ॥ ० ॥ जून थ ना स न धु व ऐ वि ग्रह सा ह
ध । न यि । वि शा ग क न हं धा न । ख स । ग ह भ वि न्द ॥ दि
ग यि सा न ॥ दि व स । जू क मि । जू मा वा सि । ना ग वा गु द क्ष
ना कृ कृ ज्ञा न दा य । य ति वा न रु या ॥ धु न या सा की । शु न
धु न म सा न स गा ॥ थ ॥ ना न शू न पूजा । धु व दि य । अ नि वा
हि खू य । स म य । या य । धु न १ गु यि स पूजा शू न ऐ इ इ क

८ पृष्ठ वि य . रु ति नि . स र वा न पृष्ठ वि य . को मा नि पृ ष्ठा ॥०॥
ॐ श्री गुरु या शु शा न य वे ना . धु मे स्य प रु न वि नु . मे धु न
जि ह्व न ग . ज्य ना वि स्वा न उ र्वे न ॥ स धा या व वृ पे षा या
ना नि प रु न तु ख न षा च ॥ ज्ञा धु ना नि ग रु यं तु ॥ धा रु श्र
व र्वे रु य ॥ धु वे ना वि मि ॥०॥ ॐ ग्या ना धि क या श्र न जि
वा न हि न स्ना हा . ॐ श्र न जि वा य मि स्वा हा . पु नि रु च

या य ॥ ॐ नि ज्जु स्ति धे य स मा फ ॥ १ ॥ ॐ न न या य म नु
थ व र्ज के व व सा य म नु ॥ १ ॥ रु रु रु व या ता ॥ ॐ घ घ घा ढ्य
तु स वं नु स्ता ना . रु रु रु कि न य १ ॥ वं य वा ना हं रु रु ॥
ॐ व रु नु त स . वे रु कि ल न स . व ध ज्ञा रु य य ति . स
व रु स्ता ना धी ध म वा ना य का ना ॥ का य वा क वि त
कि न य हं रु रु . व नि वि य म नु ॥ ॥ ॐ श्री गुरु श्री न र

नृपति दंष्ट्र युवद २ का २ पस्क नय २ रुज २ ४१ ४१
व ४ २ रुं रुयि २ रु रु रुय २ मा रुय २ सु व रु ना मू
ख धन कु नू २ शु व दानि ना ग रु ॥ रु ट पि सा र ॥
वा धि न ० ॥ लाम सु २ मन २ मा ग सु २ नू नू व नू नू क
न रु २ द व द न ॥ रु व नू मा हा स न ॥ सर्व ग्मा य य नि
॥ रु व नू मा हा शाय ॥ नि य रु २ रु ट स्वा हा ॥ जा न न

नथ रु का ०० का यु का धू य ॥ स्नान नं मू रु यु थ ॥ हा थ र वा
न स ॥ नू ० मा द स ॥ वा ध क हा न ॥ रु व न स ॥ मा स धू य क रु व
क रु क ॥ सर्व द व ॥ सर्व रु क ॥ सर्व पि सा र ॥ सर्व ना रु से ॥
सर्व ना ग ॥ सर्व रु ति नि ॥ सर्व रु क रु स क न नान ॥ वु द या
या ॥ नि रु न ना क ॥ रु नू मा हा शाय जा न न मा य ॥ रु
मा हा रु न ० ० ना य ॥ मा हा व न पा क न मा य ॥ रु रु त स्वा
हा ॥ रु रु त या जा न न म रु ॥ ॥ रु ना पि रु दि नि २ स्वा हा

व नि वि य धृ त म नु रू ति नि या तं ज्ञा त्रे ल य ॥ ० ॥ २ ॥
गु न रू त न म ॥ पी डि १ या इ स नि व ॥ र वा य न व ॥ क्का थ न
थ न नू र्थी वा इ ॥ क्का द म इ ॥ जू र्ख म क्का का ॥ रू त न र्ख इ
या ॥ यु नि ति ता म रि इ ॥ व न ति हा व ॥ व क्का स मा इ व
ला ॥ ग म द सा ॥ धृ त म न ना ॥ कि रू क क्का क ॥ मि र्वा क ॥
रू न क ॥ ग म ॥ रु य म र्ख ॥ ग म ॥ स मू र्ख न म सा क ॥ गु नी
न न स नी ॥ सी ता र्ख म इ व ॥ ज्ञा त मा क्का व ॥ स न स का

इ स ॥ य र्म ॥ अ स १ जू मा वा सि ता ॥ म रि इ १ १ ज्ञा त मा
सी ता म ॥ हि न व ॥ अ ल ॥ गु नू ॥ अ ल ॥ शा डा व ॥ या व रि ॥ ग म
ना सा क र्थान पि य ॥ स र्थ न ॥ य्वा व न दू य ॥ थ व ॥ हि न
क ॥ व क्का मि न दू ॥ ग म ॥ अ ग ॥ व व न उ सा र्थ ॥ य थ व जू
स्ती न ॥ मि र्वा ॥ क्का इ ॥ सा नू का य र्ज ॥ क्का इ का य द ॥
ग म व ॥ अ ग म ॥ र वा या न क ॥ ग म ॥ डा या च न क व र्ख म रु ॥
रू क स रू न रू त ॥ त रू म रू ॥ रू य रू व नि व ॥ व क ॥ अ व

सयतम कं य कृद्रनडा डम्सय । पादु कृद्रनडन
विपुव कृ सयडन ज्ञानान नक्ष वियु यंदे से नास
अतिविहाय वृहामन आठ पितृरुगो रे मृ गमका ना
योयंथि न लग्नने सइ न पडा ख विवडु वथ्थ यथु स
रुमथथ रुव नागना युव जा कस्मी इडु यिहा ना गन । ड
डान यंरु का डु नया सिय हा घासन डा केन डा थु यमा
न या नु ड ख ड य यू य गा क दि १ २ थ इड ना डा १ स

वृहद्रथ का स नयु ग्मा मा ना धु ग दि प ६ रु न रु वि
नयु से मो २ थ स नि से ॥ ३ यि सा व या न स नी या य न व
इ कि केन थ थि स न मा न या न व य गा का रि स्य ल १ डा
डा ना थु म्वा न । का ना न रवा ड्मा न यू स्य पू व न स्था
सा स न का ना स ना थु ॥ ३ कृ या । सा नि स हा ग इड
य न न हा य स्वान गृ डि १ डा के डा पु ना ड्मी ड १ हा य क था
न वृम रु न क हा घा स न कि न डान मा न कृ ड सिमा

को स वा य इ ॥ वा क्रु या ना सा नि या य ॥ ख व न खान पं च
य न को हि ना ॥ ७ ॥ इ इ म्वा न मा स ॥ म ग ॥ खा ॥ क्रान रुय
क ॥ य व न सा स ॥ ल ॥ को ना स न ॥ गु वा स नि रु न न पु न का
व मा ॥ थ ॥ ४ ॥ क नै क या सा नी या य ॥ ख व ठ ॥ खान ॥ पं वा य
न का ॥ या सा क ॥ स थ ॥ ठा न ॥ डा ना को स न न ॥ थ ॥ स व नि य
नै ॥ क ना क वा य ॥ स दि या व ॥ १ ॥ सु स्थ सा नी या य ॥ डा या स
न कि डा थु य ॥ खान पा व ड ड ॥ ना डा सा न मा स ॥ वा कि न

मा ॥ व सु य ॥ सा इ इ सा म ना ॥ पं व य ना का ॥ पि ठ ॥ सा
इ रु व व व न स ॥ ६ ॥ ह नु म नु स नि या य ॥ स म न खान
मा न ॥ मा न या इ डु स म य को स ॥ डा म्वा ठ ॥ मा स ॥ डा डा म
का वि ता ना हा ॥ ३ ॥ स म य कू स्य ॥ ह न मा न ॥ डि पु न स पि ति
इ ना ॥ २ ॥ २ ॥ न मा मा हा नै ॥ को शी ॥ डा क्रान को को डा
॥ हा ऊं को को शी ॥ ह न का य ॥ को शी म ग ना य वा रु

स्वस. कि स्वयविवाचशाहि न ॥ पूर्वमं गधिय पृष्ठा २६
पागमाहा कृणु ॥ अविं शी हसिगा. गंमाहा हा रुंन वाच
शार्दका नि पना म्माजु निवनपातः माहा पूजा. गृ २
सान्नी कृ नु स्वाहा ॥ ० ॥ गु नु आ कृ. ॥ माहा का. क व
य न स्व २६ कृ रुत स्वाहा. ओ कृ न कृ प्र या व थ म स्तु य.
॥ का के व च पा य ॥ ॥ ना जि धूप का व श्व य. नि

विं धु वि. मि ॥ गहा नि स्वा ॥ वि हा. कृ स न हा. का
पु. न का. पु का. सा हा म नु न. ॥ गं म व पा थ रुत
पु. न का. मि. सु व स हा नि नि. का का द द द. कृ रुत स्वाहा
॥ ॥ पु रु गो म जि इ वि हा नु द न न ह न ह. सा पु धा ना
सा न य व ह शि व लो न कृ रुत स्वाहा ॥ ० ॥ आ कृ न. मान
म ना का थ हा. अ जि न क थ. न का प का. धु म नु न

प्रयाव विवग वृद्धयः ॥ ध्यायान् न दा शिरुत रखा
 दाव चित्रक ॥ ० ॥ २ ॥ सा सिद्धि मुनू ज्ञा ॥ ना हि तव त
 आ हि तज्ञया ॥ ला हि त प्रियु ना ॥ ना ने उन त ह उ ॥ इ मा के
 सं य ॥ का हे का ॥ सा मि वि नू या क ॥ ज्ञा ॥ सम ॥ सि
 दि मु नू या ॥ ध्रु म नू न ॥ इ य य ॥ ल ॥ खे ॥ इ ॥ पु ॥ य ॥ ना ॥ ने ॥ के ॥ ॥ न ॥ न ॥
 भवन ॥ अ वि चान या न ॥ ॥ न ॥ न हि व ॥ न ॥ मान नान हि

वनं च नृपदं वदन् ॥ ० ॥ १ ॥ श्री सिद्धि गुप्त आर्य
अमत्रि २ अमत्रि अमत्रि आमत्रि पि उ च नु वि स्नान
आहिनि, साकिनि, पुन, रुदनन, मा, मान, अम, अ
०, कहक, आर्य ॥ १ ॥ २ ॥ माहायव आर्य आ सिद्धि गु
पु यादुका ॥ थुमनुन इयुर्व धान ३ प्राक सको ॥ ४ ॥
नं य नानक मनु ॥ ० ॥ १ ॥ श्री सिद्धि गुप्त आर्य अयया

य ॥ ॐ नमो भगवते ॥ विहा । शुक्ल म्या न । संभूता जगती स ३
नृप के सन मी ३ धृक् नृ न वा न । नृ न या दृ नि य ॥ धृ म
नृ म नृ का वि । निमी नि ली ॥ शु या तं नृ नृ आ या तं । नि
० ३ । मं स इ य । ज्मु क स प त वि कं व स मा न स्वा हा ॥
धृ धृ प या गु न । व न द्रा न या वा क न म नृ व स श न
नृ य के वि मि । सा हा ना का । म वा वृ य म रु न वृ य न

डि व । धृ तं स वृ नृ न यं । धृ य या य रि दृ ॥ ० ॥ २ वं म न नृ
न या य । स र्व को र्ति सि । डी म नृ ॥ वा शि ष डि । स नि श्र
न वा न कृ दृ । नि व रु नृ नृ पू ज्ञा या द्रा व । ना ८ थ । म नृ ॥ ३
न म ड मा म हृ श्र ना य । कृ दृ नि क वा नि स्वा हा ॥
वा सि ख नि डृ पु थ । ख य नृ नि नृ नृ । आ दि नृ वा न कृ
नृ नृ य । पू नृ नृ नृ नृ नृ वा सि ख नि डृ पु थ म नृ

वैष्णव जाय एवै मयै

कुं द्र य रु न स्वा हा ॥ ध्यान ३ ॥ रु द्र म नु रुं मा म ह ॥
नाय ॥ कुं द्र नि कुं नु व नि स्वा हा ॥ ध्यान १ ॥ धु वां सि र व
नि हा द्र य पा व, डा व झा हा न स रि स्यां न य, शु रु या य
॥ ० ॥ रुं सि दि गु नु आ क्ता ॥ ॥ जुं ड मि न, का न, जुं ड य
पा न ना डा, जुं ड डा व ड डा, दा ना नि, ना के सा न य रु,
गा प रि या व ना, डा ना खा ण, खा रि व, पि डा ल क न, जुं
ड पा न ना डा कि आ क्ता, रु न, गु नु कि ण ग रि, ॥ म रि

रु ग रि ॥ ॥ रु न म नु ॥ शु न वा वा ॥ ॥ कुं द्र न का, द्र स
गु, द्र य द्र स गं ठि कु ये र थ म नु न, वि कु ना य ना स ॥
॥ १ ॥ रुं शि व का ख ग द शु व द, न भ मि वा व नि, न
न वा मि दि या ॥ रु न कि आ, व रि या, पा य न हि, रु त य
न हि, पि दान के न, ॥ शुं द्र य र व, या ॥ वृ ति रु के ॥ ॥
पं क गा न ग हि लुं के लुं के क ण ग रि, म रि रु ग रि,
॥ शुं द्र न वा वा ॥ मि खा स्या क या, दा ड व व या सि, ॥ म शु

२३० हार्म विष्णु व वन उ न न ती सं द ति न ता ग य म
 ध्व नि या के का र्म स न यु या दि कु न र्प सि दि शु नु नु
 ह्ना ॥ अ न ३ १ २ ॥ ॐ म नु न च क न इ य पा व न न व
 प स या य म नु ॥ ॥ ॐ मि या र्म हार्द ॥ अ २ १ व स न
 य म नु ॥ ॥ २ ३ सि ह म न न क ह न २ थ क २ दू दू रु द
 स्वा हा ॥ अ न १ ॥ ॥ २ ३ शु नु नु श मि स ह म नो नि

३ १ २

ह न २ थ क २ दू रु द स्वा हा ॥ अ न १ ॥ ॐ हू ह न का ना य
 ह न २ थ क २ दू रु द स्वा हा ॥ ॐ म नु न दि कु य ॥ अ न १
 ॥ ॥ २ ३ सि दि नु न मा ह न नु जू धा न नु ॥ अ न १
 ना ख नु य पा व न न म नु ॥ ॥ २ ३ शी गु नु व न म जू
 मि य ति पि सा व य ति य क सि नि य ति ॐ हू च उ स
 शी मि नि स्वा हा ॥ अ न १ थ व नान का या व क ॐ म द दू

अथ यथा न्यायं विदुः श्रीगणेशाय नमः

पुण्यं यमकं यजुर्विद्यानयामनु ॥ ॥ २ ॥ ॐ वृत्रहृन्मृत्युं
सितकृन्मौसा ॥ ॐ ॐ रुतस्याह ॥ ॐ ययु ॥ ॐ जन
कृत ॥ ॐ २ ॥ ॐ सकोत ॥ ॐ नद्रपुथ ॥ ॐ कृया नाम थ
ने मान ॥ ॐ ॐ यन के ॥ ॐ वि कुं आय नास ॥ ॥ २ ॥ ॐ
च न्दिका कयान निहं यत स्वाहा ॥ ॐ न ता ॥ ॐ मनुन
नाम क्रि थं डाव वास र्था याव वास्या क नास ॥ ॥

गणेशाय नमः

ॐ का वि के का वि म द मा स ख वि तु व वि ॥ शुद्ध य
रु न रु य सि स म वि प ह न आ व नो हा का न रु डा आ
व य मा हा का न ॥ रु का वि जा न य ना नि वा द द य म वि
रु ग ति गु नू के स ग ति ॥ द ख उ वि न रु न वे त वि स
मी सी ॥ ॐ न का म नु ॥ ॥ २ ॥ ॐ व नु म र ख प र खा न नू
ॐ रु क नू वृ ग ना स ॐ म यु जा ॥ म ह य रि व ति ॐ
स मा दि गु नू या य न न ॥ थ म र खा न सि य स ॐ

अथ यथा न्यायं विदुः श्रीगणेशाय नमः

जातिना संस्कृत

संस्कृत

देवदह

यवद का वृथा मृत्रर

सा विधि साय कर बुद्ध

आभास	दृष्ट
231	

ASTA ARCHIVES

ॐ

५२ ॐ नमो आदसगुरुका ॥ ओं सामूसा वक्रदुयिवाहनं ॐ श्वनयुगा
विनायकावाहना ॥ भोजानियामुसात्यलिङ्गानि ॥ हृदयौ ॥ वीदसकि
नानि ॥ ॐ हा ककुका ॥ दकुदकने ॥ ॐ ॐ श्वनमाहादवकिङ्गाका
ॐ गोमडनावावनि ॥ काविनकारेशुनू कि सयति मनिहगति ॥ रूना
ॐ मनु ॐ श्वनोवावा ॥ कुभाथय ॥ मासशाफूतकायाव ॥ मनुयाय
ॐ ॥ न १ वूयाधिसि स २ हान ॥ कुवय मरु

२ ॐ नमो आदसगुरुका ॥ कानिकमृनि कुन्ध ॥ निसूज्ज ॐ निना
नि ॥ वीनावाद्या ॥ श्रुया ॥ रुताचानू ॥ वा ॥ ॐ सनि ॥ वाद्यकयिनुन
न सिद्धः ॥ दानवात ॥ अचलडा ॥ ॐ ॥ निचत्रा ॥ ॐ ॥ नगजका
नमाहामामीः ॥ अचन ॥ शिवलिक ॥ रनवाटः ॥ वीनानमा ॥ वा
धानरवाथे ॥ नोदियसूर्यनालाय ॥ न ॐ ॥ यि ॥ अचन ॥ विन ॥ वन
रवि ॥ निना ॥ ॐ ॥ मयियू ॥ ॐ ॥ अचन ॥ कया ॥ ॐ ॥ नमन ॥ निन

तत्रिसगतिः मत्रिरुगतिः मुचु कि सकि ॥ विन हनुमन् मान
 सिंघः तत्रिसगतिः स्नात्रामुक्त ॐ श्रुतवाचा ॥ गनावा ल्यं चानु
 सवाप्रययनका ॥ ॥ २ ॐ आदस मुचु ॥ वधु गमना वधु तोय ह
 वधु तुहायसना ॐ ॥ अगन वनना दिवावाय ॥ आडालमका हाने
 भवसे दृवन्धीया प्रम श्रुतनाभासाकः तननायि हन नि हनुमन्
 कासायि हामनु भवदु खिन ॥ रुथामनु वदु खिल ॥ मिनननसा
 नखद्रयप मिसहा न धाव ॥ ॥

२ ॐ नभा आदस मुचु के मूसा मूसा वाहान श्रुति कायु न गन स
 का वाहान श्रुति कायु उ नया याग ॥ वदु नशु नव ॥ आडाल नशु न
 का नव ॥ वदु न का नय ना गन स दव ना कि दाहा हि मत्रिरुगति
 मुचु का सगति रुथामनु सिद्धि स्वाहा ॥ ॥ धाव न वास नरु द हान
 यि था दादा वया डान नि का या वहा न रुद वदव था य स हा न न
 दय के ॥ ॥ २ ॐ नभा आदस मुचु के अद्रिय भा हान वशि क न
 तिन वसु ॥ व के नाम हं मुख धुं जामु ना रिना माहं सर्व गम मुचु

तं सहा वभा हा का वा न मा हा हा मा हा । रु न न न । सिंघ । कि भा हा नि
 हा हा थ थ व य । गा हा गा हा हा य ॥ थ थ व य । मं व व नि रा ॥ ॐ
 वा य । मं व व नि । उ य व क रु वा व ॥ रु नी नी न सिंघ कि भा हा नि
 थ थ व न नि स ग ४ ॥ ॥ म न नु म ना वा न स न व क न रु य वा व न
 न खाने स वा य । भा हा नि । स म्म तं न क भा हा न ॥ ॥ १ रु न भा हा न
 म नु का । उ न क रु न न सिंघ । य तं न का या । ॐ स यिंद । श्री न न
 स व मे ह न पा प्र वे क न

सिंघ न नि सिंघि क न य । प्र यिंद कं क न य । थ थि नु क य न य ।
 प्र यिंद किं न आ । श्री न न सिंघि क न य । रु न भा हा न । आ स
 म नु क न य । स वा वि म न य । ॐ स यिंद किं न आ ॥ ॥ पा न त न स
 ला ड म न का या व थ म न य । न आ न व । म ना वा स स न र ह य
 न या स । सिंघ ॥ म न ॥ ॥

संज्ञानविधि पूर्व

आगन

मालप्रक्षि ४ क्रयनि मालप्रक्षि

वामयिदिशि शिखिमद्वारे

सिंहा	मालप्रक्षि	क्रयनि
शुभ	शुभ	शुभ

शायिदिशि

॥ १२५ ॥ १२५ ॥ १२५ ॥

ॐ नमः न क कामं नुभये ॥ ॐ न क वर्ष नि न क पात नि न क काम नि
 न क गरुभाचनी को को हु रुठ साहा ॥ ५५५१० ॥ धमकन मिसा गोस
 न समाद्रवया न सद्रयक या तो ॥ वासपविधि कानध ॥ जु दिध ॥ जुयना
 क धु ठरुत्त व्या मि नि ॥ नितियस कायि वरवायून धन सम सागन धस
 नियावताक नाख समभव ॥ ॥

२० नमो ॥

१ ॐ ह्रीं श्रीं स्वाहा ॥ ॥ धूमकुनद्रवपाय ॥
दडावडा वयानसा कूया नखा ॥ आसन काया वडा
पया नसा खा नया नखा ॥ दाडावडा वयानसा देसया
नखा ॥ अनडा ॥

२ वा विंख सिं स्वाहा ॥ छाठा वनाय यया मनु ॥ अन ॥ १०० कारवया या
कूया काया व के लम न ॥ ॥

३ अहं न स्वाहा ॥ धूमकुन हि कूया या अन ॥ स्वास शंद गहावा कूया
पुवावे ॥ चान सने के ॥ ॥

४ अकुं धादय स्वाहा ॥ कूया नोय यमनु ॥ अन १०० आऊन द्रवपाय ॥ धूम
नैव ॥ हाय न कूनाय यया देवा

५ वुके कूया ॥ वासक यामनु ॥ अन १॥ ॥

६ वउ स्वय ॥ कूक स्वय स्वाहा ॥ माक वनाय यया मनु ॥ अन १००
कूक यया सा का याव आऊन

अन १०० यदि न सी धूम

५२ नमो नमो

का नि भ ग ना ति व न स न प वा न जा ति न व न ः ३ रु दि ता
र मि के रि ना ग अ ति ल त न व रु के जा वि न न रु रि ता जा
न प्र न वा वू ला ल वा वू व ति वा लू द त वा कू व ग म
व नू रि त ग य का उ द स य से आव न जा य रु रि ल व
ध ध बा ड य ल वं वि न ग न जा या ग व न पु ना थ के ना था
जा र न ला थ से त ग रू का वी (वे वा धि ॥ क ७२ वं व पा य

धर्म न धातु चैने वृषा वृषा रुयं मइरुत
 शागन सायनम ॥ अत्र निकपुतं ॥ नाम वंदत कम
 न सते सन सिताव ति सि लाउ पवे तेर नूमान विनकु
 कं कं कं कं अत्र निकपुत दक्षि न दिसा अतैष ॥ य
 तं अत्र नषाउते ति ति निमाकि म तिठ तिग्रुकि स
 सि इस्व माहाद वकि वा या ईं हृद ईं हृद ईं हृद ईं हृद ईं हृद

हनुमानविनञ्जाव्यहनुमानविनञ्जाव्यहनुमानविन
 ॥ यननसिंहकिससिंहकनियननसिंहकिससिंहक
 कनियननसिंहकिससिंहकनियवातद्यातनकक
 ननिक। जोदसदाकि निकलेकपतनसकेउलतिगर
 किससिंहमिससिंहगरकिदेकिमानेदापिनिमानकृत
 मानेकपठमानहेतमानपतेमाननाकसमानेककल
 मानेसकेलमानहनाहसिंहवद्येहंसिंहवद्येसर्वसिंहोहा

किं गजिन माहाति मुषथु निद वि कि मृति वधे कसु
मद वला कि मंत्र वधे रुना मंड इस्व रिमा ता दे व
कि वा या दू रुद्र ग्व न रि सं ॥ ॥

स्वस्ति लो रमानेन काला रा माते दि २० गते





[illegible][illegible]

11 11

10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in a cursive script, likely a form of Hebrew or Aramaic, spanning six lines on the top page of a manuscript. The script is dense and fluid, with some characters appearing to be ligatures. The text is written on aged, slightly discolored parchment.

Handwritten text in a cursive script, likely a form of Hebrew or Aramaic, spanning six lines on the bottom page of a manuscript. The script is dense and fluid, with some characters appearing to be ligatures. The text is written on aged, slightly discolored parchment. There is a small, faint mark or symbol at the bottom left of the page.

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on the top leaf of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with many characters that are stylized and difficult to decipher. There are several double vertical bars (||) used as section markers or line dividers. The parchment is aged and shows some staining and wear along the edges.

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on the bottom leaf of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with many characters that are stylized and difficult to decipher. There are several double vertical bars (||) used as section markers or line dividers. The parchment is aged and shows some staining and wear along the edges.

